वर्ग - MJC/ MIC/ MDC IInd Sem. डॉ० संजीव कुमार

प्रश्न :- विश्व को बेबिलोनिया की सभ्यता का क्या देन है?

उत्तर :- मानव सभ्यता के विकास में बेबिलोनिया की सभ्यता की महत्वपूर्ण देने हैं। दक्षिण-पश्चिम एशिया के अधिकांश देश तथा यूनान ने बेबिलोनिया की सभ्यता एवं संस्कृति के अनेक तत्व अपनाये। विज्ञान और कला दोनों ही क्षेत्रों में बेबिलोनिया ने विश्व को प्रभावित किया। विश्व सभ्यता के विकास में बेबिलोनिया की सभ्यता देने निम्नलिखित है :-

(i) बेबिलोनवालों ने ही गणित, ज्योतिष, खगोल, इतिहास, चिकित्सा-विज्ञान, रचनाशास्त्र इत्यादि की नींव डाली।

(ii) बेबिलोनिया वालों ने ही सर्वप्रथम लंबाई, समय, तौल और धन की माप के लिए इकाइयाँ (units) निश्चित की। उनके समय-विभाजन का प्रयोग हम आज भी करते हैं।

(iii) मुसलमानों की मस्जिदें, मध्यकालीन मिनारें तथा वस्तुकला के आधुनिक रूप बेबिलोनिया के नमूने पर ही बने हैं। इस दृष्टि से कला के क्षेत्र में विश्व बेबिलोनिया का ऋणी है।

(iv) साहित्य के क्षेत्र में सर्वप्रथम बेबिलोनिया में ही महाकाव्य की रचना हुई। यहूदियों ने अपनी पौराणिक कथाएँ बेबिलोनिया की सभ्यता से ही ग्रहण की।

(v) बेबिलोनिया की सबसे बड़ी देन है "हम्मूराबी कोड" या हम्मूराबी-संहिता। सम्भवतः यह विश्व का प्रथम लिखित कानून-संहिता है। कानूनों का यह संग्रह एक पत्थर पर खुदा हुआ मिला है।

अतः इस प्रकार हम देखते हैं कि बेबिलोनिया की ~~सभ्यता~~ सभ्यता ने विश्व को कई महत्वपूर्ण आनकारीयाँ दी या सिखाई।